विश्व स्तनपान सप्ताह-2022 का राज्यस्तरीय शुभारंभ

चर्चा में क्यों?

1 अगस्त, 2022 को झारखंड की महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग की मंत्री जोबा मांझी ने डोरंडा के पलाश सभागार में 'विश्व स्तनपान सप्ताह'के शुभारंभ पर राज्यस्तरीय कार्यक्रम की शुरूआत की। यह कार्यक्रम 1 से 7 अगस्त तक चलेगी।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर मंत्री ने 7 बच्चों को अन्नप्राशन कराया एवं कार्यक्रम से संबंधित जागरूकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।
- विश्व स्तनपान सप्ताह-2022 की थीम 'स्तनपान को बढ़ावा और शिक्षा एवं सहयोग'है।
- मंत्री जोबा मांझी ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से गर्भवती एवं धात्री माताओं के बीच यह संदेश प्रसारित किया जाएगा, कि जो महिलाएँ बच्चे को जन्म देती हैं, उन्हें बच्चे के जन्म के 1 घंटे के अंदर ही माँ का दूध पिलाया जाए। यह दूध बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिये बहुत उपयोगी है।
- उन्होंने कहा कि समाज को जागरूक करना है कि माँ, अपने बच्चे को पहले 6 महीने में अपने दूध के अलावा कोई आहार न दें उसमें ही बच्चे के लिये ज़रूरी पोषक तत्त्व उपलब्ध रहते हैं। 6 महीने के बाद ऊपरी आहार सही मात्रा और सही पोषक तत्त्व के साथ देना आवश्यक है। साथ ही 2 साल तक स्तनपान के साथ पोषक आहार देना चाहिये, जिससे बच्चे स्वस्थ रह सकें।
- जोबा मांझी ने कहा कि एनीमिया मुक्त, कुपोषण मुक्त समाज का निर्माण हो सके, इसके लिये लोगों को जागरूक करना बहुत आवश्यक है। जागरूक होने से ही बच्चों की मृत्यु दर में कमी आएगी एवं स्वस्थ बच्चों से ही स्वस्थ समाज का निर्माण हो सकेगा।
- उन्होंने कहा कि किशोरियों को भी सही दिशा देने का काम करना है। बालिकाओं को स्वस्थ रखने, उनको एनीमिया से मुक्त कराने एवं उनकी सही समय पर शादी हो एवं परिपक्व शरीर में वे गर्भधारण करें, इसकी शिक्षा देना आवश्यक है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-breastfeeding-week-2022